



हे हमारे पिता,  
तू जो स्वर्ग में है,  
तेरा नाम पवित्र माना जाए ।  
तेरा राज्य आए ।  
तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है,  
वैसे पृथ्वी पर भी हो ।  
हमारे दिन भर की रोटी आज हमें दे ।  
और जिस प्रकार हम ने अपने अपराधियों को क्षामा किया है  
वैसे ही तू भी हमारे अपराधों को क्षामा कर ।  
और हमें परीक्षा में न ला, परंतु बुराई से बचा,  
( क्योंकि राज्य और महिमा )  
सदा तेरे ही है ।  
(आमीन)